भारतीय उद्योग परिसंघ द्वारा आयोजित विकसित भारत@100 सम्मेलन में माननीय राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया के अभिभाषण का प्रारूप

दिनांक 29 अप्रैल 2024, सोमवार	**समय : 10.30 AM**	**स्थान : ताज विवांता, गुवाहाटी**

- सीआईआई नॉर्थ ईस्ट काउंसिल के चेयरमैन श्री प्रदीप बगला जी,
- अध्यक्ष श्री आर. दिनेश जी,
- सीआईआई, असम स्टेट काउंसिल के चेयरमैन श्री पंकज गोस्वामी जी,
- सीआईआई, सचिवालय के अधिकारी श्री .....
- उपस्थित अन्य अतिथिगण
- उपस्थित पैनिस्ट
- सम्मेलन में भाग ले रहे विभिन्न औद्योगिक संस्थानों के प्रतिनिधिगण,
- मीडिया के हमारे मित्रों,
- देवियों और सज्जनों,

आप सभी को मेरा नमस्कार।

"विकसित भारत@100" सम्मेलन में आप सभी को संबोधित करते हुए मुझे बहुत प्रसन्नता हो रही है। वास्तव में यह मेरे लिए गर्व की बात है कि मुझे आज हमारे महान राष्ट्र भारत और हमारे राज्य असम की प्रगति और विकास पर चर्चा करने का अवसर प्राप्त हुआ है। यह अवसर प्रदान करने के लिए मैं भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) को हार्दिक धन्यवाद देता हूं।

'विकसित भारत 2047' देश की आजादी के 100 साल बाद 2047 तक भारत को पूर्ण विकसित राष्ट्र बनाने का महत्वकांक्षी दृष्टिकोण है, एक रोडमैप है। इसका उद्देश्य देश के सभी नागरिकों के बीच समावेशी आर्थिक और सामाजिक भागीदारी को बढ़ावा देना है। इसमें आर्थिक समृद्धि, सामाजिक उन्नति, पर्यावरणीय स्थिरता, प्रभावी शासन और विकास के विभिन्न पहलुओं को भी शामिल किया गया है।

2047 तक विकसित भारत के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए प्रभावी रणनीतिक उपायों और साहसिक पहलों की एक श्रृंखला की भी आवश्यकता है। मुझे खुशी है कि इस दिशा में भारत सरकार प्रभावी कदम उठा रही है। सरकार हर क्षेत्र में विकास के साथ लोगों की क्षमताओं में सुधार और उन्हें सशक्त बनाने पर जोर दे रही है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए सरकार, प्रशासन, जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ युवाओं, नागरिकों, शैक्षणिक और व्यवसायिक संस्थानों को भी मिशन मोड में एकजुट होकर काम करना होगा।

यह स्वतंत्रता की शताब्दी तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का महाअभियान है। इस महाअभियान में देश के सभी नागरिकों, विशेषकर युवाओं को अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने देश के नागरिकों और युवाओं को इस महाअभियान से जुड़ने का आह्वान किया है।

मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि यह महाअभियान अब धीरे-धीरे आंदोलन का रूप लेती जा रही है। विकसित भारत के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए देश के राज्यों एवं शहरों में पेशेवरों, छात्रों और लोगों को एकजुट करने के लिए राष्ट्रीय एवं संस्थागत स्तर पर कार्यक्रम और बैठकें आयोजित की जा रही हैं।

इसका प्रत्यक्ष उद्हारण आज हम सभी भारतीय उद्योग परिसंघ के इस सम्मेलन में स्पष्ट रूप से देख रहे हैं। मुझे यह देखकर बहुत प्रसन्नता हो रही है कि इस सम्मेलन में उद्योग क्षेत्र के विशेषज्ञ, सरकारी अधिकारीगण, भारी संख्या में उद्यमी उपस्थित हैं।

मुझे विश्वास है कि इस अवसर आपके सुझाव, आपके विचार और आपका सहयोग देश को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण और उपयोगी साबित होगा। मैं इस सम्मेलन की सफलता के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

मुझे बताया गया है कि विकसित भारत@100 पर आयोजित इस सम्मेलन की थीम- **"Progressing through reforms"** है यानी विकसित भारत के लिए **"सुधारों के माध्यम से प्रगति"।**

यह वास्तविक सत्य है कि किसी भी क्षेत्र में विकास और प्रगति के लिए सुधार और परिवर्तन प्राथमिक आवश्यकता होती है। पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किए ऐतिहासिक सुधारों, नीतिगत पहलों से देश में उल्लेखनीय परिवर्तन आया है। आज हमारा देश विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है।

मित्रो,

जैसे-जैसे हम विकसित भारत की ओर आगे बढ़ रहे हैं, हमें यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि हमारे गांव आर्थिक और सामाजिक रूप से समृद्ध हों, देश में गरीबी न हो, युवा तकनीक और कौशल ज्ञान से परिपूर्ण हों, महिलाएं और किसान सशक्त हों।

एक विकसित भारत में एक लचीली और मजबूत अर्थव्यवस्था होनी चाहिए, जो सभी नागरिकों के लिए अवसर और उच्च जीवन स्तर प्रदान कर सके। हमें ऐसी अर्थव्यवस्था हासिल करनी होगी, जो उद्यमिता, नवाचार और प्रतिस्पर्धा के आधार पर 21वीं सदी की चुनौतियों का सामना करने में सक्षम हो।

विकसित भारत की कल्पना आत्मनिर्भर भारत के बिना नहीं की जा सकती। देश के विकास के लिए पहले देश को हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना होगा। हमें दूसरे देशों पर अपनी निर्भरता को कम करना होगा। इसी दृष्टिकोण से सरकार की "मेक इन डंडिया", "वोकल फॉर लोकल", "स्टार्ट-अप इंडिया" जैसी पहल ने लोगों को आत्मनिर्भर भारत बनाने में योगदान देने के लिए प्रेरित किया है। आज युवाओं में नौकरी करने से अधिक उद्यमी बनने की सोच देखी जा रही है। महिलाएं भी स्वरोजगार के माध्यम से देश के विकास में योगदान दे रही हैं।

भारत में उद्यमिता का भविष्य आने वाले दशक में एक परिवर्तनकारी यात्रा के लिए तैयार है। सरकार ने नए उद्यमों के विकास को बढ़ावा देने के लिए कृषि, स्वास्थ्य देखभाल और टिकाऊ ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए कई पहल और वित्तीय संसाधन भी शुरू किए हैं। भारत में उद्यमिता में सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य को नया आकार देने की अपार क्षमता है।

मैं असम के प्रत्येक नागरिक के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करना चाहता हूं, जिन्होंने हमारे सामूहिक विकास और समृद्धि के लिए अथक योगदान दिया है। उनका अटूट समर्पण और दृढ़ संकल्प राज्य की प्रगति की नींव के रूप में कार्य करता है।

हाल के वर्षों में, असम सहित पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों ने विभिन्न क्षेत्रों में विकास की परिवर्तनकारी लहर देखी है। सरकार ने विकास और नवाचार के लिए अनुकूल माहौल को बढ़ावा देने की दिशा में अथक और सराहनीय प्रयास किया है।

बुनियादी ढांचे से लेकर शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा से लेकर प्रौद्योगिकी तक, हमारे समाज के हर वर्ग ने एक उल्लेखनीय बदलाव का अनुभव किया है। किसानों के कल्याण को सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दिया गया है। मैं समझता हूं कि सरकार के इस प्रयास से विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

मित्रो,

बुनियादी ढांचा किसी भी विकासशील देश की रीढ़ होता है। असम ने राज्य भर में कनेक्टिविटी और पहुंच को बढ़ावा देने के उद्देश्य से महत्वाकांक्षी परियोजनाएं शुरू की हैं। चाहे वह सड़क नेटवर्क का विस्तार हो, रेलवे प्रणालियों का आधुनिकीकरण हो या जलमार्गों का विकास हो, सरकार बेहतर कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

किसी भी देश के आर्थिक-सामाजिक विकास में उस देश की शिक्षा व्यवस्था एक महत्वपूर्ण आधार होती है। इसलिए देश में शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने और सीखने के अवसरों तक पहुंच बढ़ाने पर जोर दिया है। इस कड़ी में हमारी शिक्षा प्रणाली में सुधार के लिए एनईपी 2020 को लागू किया गया है। हमें विश्वास है कि एनईपी 2020 से हम एक ऐसी शिक्षित नई पीढ़ी तैयार करने में सक्षम होंगे, जो देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

स्वास्थ्य सेवा सिर्फ एक सेवा नहीं है; यह एक मौलिक अधिकार है। इस विश्वास के अनुरूप, राज्य ने हमारे स्वास्थ्य सेवा बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाओं तक पहुंच में सुधार करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। वंचितों के लिए मुफ्त स्वास्थ्य सेवा और ग्रामीण क्षेत्रों में अत्याधुनिक अस्पताल की स्थापना जैसी पहल प्रत्येक नागरिक की भलाई सुनिश्चित करने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण हैं।

विकसित भारत के निर्माण के लिए हमें केवल शिक्षा, कौशल और स्वास्थ तक सीमित नहीं रहना है। विकसित भारत के एजेंडे में देश को खेलों की महाशक्ति बनाना भी शामिल है। इसलिए खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और खेल संगठनों को बढ़ावा दिया जा रहा है। मणिपुर की तरह असम में भी खेल विश्वविद्यालय स्थापित करना प्रशंसनीय प्रयास है। मैं समझता हूं कि इससे हमें भविष्य में अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे।

विकास के लिए उत्प्रेरक के रूप में प्रौद्योगिकी का उपयोग करने से उल्लेखनीय परिणाम मिले हैं। चाहे डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देना हो या ई-गवर्नेंस के लिए तकनीकों को अपनाना हो। प्रौद्योगिकी के उपयोग से शासन प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने और नागरिकों को सशक्त बनाने में मदद मिली है।

विकसित भारत पर्यावरणीय स्थिरता की भी बात करता है। भारत की जैव विविधता और प्राकृतिक संसाधनों को संरक्षित करने के लिए एक विकसित भारत में स्वच्छ और हरित वातावरण होना आवश्यक है। साथ ही विकास और पर्यवरण संरक्षण के बीच संतुलन भी बनाए रखना होगा। जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने के लिए पर्यावरण का संरक्षण करना होगा। पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए इसकी प्रासंगिकता अधिक बढ़ जाती है।

मित्रों,

विकसित भारत बनाने के संकल्प का यह पहला पड़ाव है, लेकिन अंतिम नहीं। इस दिशा में हमें और लंबी यात्रा तय करनी है। अभी भी कई चुनौतियों से पार पाना है। लेकिन मुझे पूर्ण विश्वास है कि असम के लोगों के सामूहिक संकल्प और अटूट संकल्प के साथ हम एक समृद्ध, समावेशी और विकसित राष्ट्र के अपने लक्ष्य की ओर दृढ़ता से आगे बढ़ते रहेंगे।

जब देश की आजादी के लिए संघर्ष का दौर चल रहा था तब हर वर्ग के लोगों में आजादी को लेकर एक नई चेतना जागृत हुई थी। देश में एक विचार बना था कि जो भी करना है, आजादी की खातिर करना है। कोई चरखा घुमाता था और वह भी आजादी के लिए। कोई विदेशी सामान का बहिष्कार करता था, वह भी आजादी की खातिर। कोई कविता सुनाता था, वो भी आजादी के लिए। कोई किताब या अखबार में लिखता था, वह भी आजादी के लिए।

इसी तरह आज हर व्यक्ति, हर संस्था, हर संगठन को इस संकल्प के साथ आगे बढ़ना है कि मैं जो कुछ भी करूं, वह विकसित भारत के लिए हो। आपके लक्ष्यों का लक्ष्य केवल विकसित भारत का निर्माण होना चाहिए। यह आप सभी को स्वयं तय करना है कि विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने में योगदान देने के लिए आप क्या करेंगे?

आइए हम देश की प्रगति, एकता और समृद्धि के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करें। हम सब मिलकर एक ऐसे भविष्य का निर्माण करने का प्रयास करें, जहां प्रत्येक नागरिक अपनी आकांक्षाओं को पूरा कर सके और अपनी वास्तविक क्षमता का एहसास कर सके।

अंत में परिचर्चा में शामिल सभी विद्वानों, पैनलिस्टों और प्रतिभागियों को मेरी शुभकामनाएं।

धन्यवाद।

जय हिन्द!